कला एवं सांस्कृतिक कार्य विभाग

का

प्रतीक चिह्न

प्रतीक चिह्नों का मानव जीवन में विशेष स्थान एवं महत्व है। देश, समाज, रीति रिवाज, वर्ग या संस्थाओं से जुड़े हुए ये प्रतीक चिह्न मानवीय आस्था के साथ-साथ पहचान के प्रमाण भी होते हैं। हरियाणा कला एवं सांस्कृतिक कार्य विभाग द्वारा **KalaSH नीति (कला एवं संस्कृति हरियाणा नीति)** के प्रतिपादन की प्रक्रिया में मुख्य प्रतीक चिह्न **'कलश'** के साथ अन्य चिह्नों का अंगीकार हुआ है।

'कलश' शुभता एवं पूर्णता का द्योतक है तो इसे सुशोभित कर रहे **पत्र** निरन्तरता और नवीनता के सूचक हैं। **तूलिका** रचनात्मकता और नवनिर्माण की जननी है तो **वीणा** सुर, लय, माधुर्य एवं ज्ञान की धात्री के रूप में मन बुद्धि और आत्मा को एकाकार करती है। इन सभी की पृष्ठभूमि में अंकित चक्राकार **रंगोली** अन्य प्रतीकों को संजोये हुए समावेशी, सर्वव्यापी, विविध रंगी आयाम से अलंकृत, धनधान्य/समृद्धि-युक्त तथा शुचिता-शुभता से संपृक्त संस्कृति को दर्शाती है। रंगोली में वाद्ययन्त्र **डफली** का आभास जीवन की संगीतात्मकता की छटा बिखेर रहा है।

हरियाणा की बहुधान्यक कृषि संस्कृति तथा तज्जनित हर्षोल्लास, सुख-समृद्धि एवं बहुरंगी जीवन संस्कृति की अभिव्यक्ति ही इस प्रतीक चिह्न का लक्ष्य है।